वृंदावन का कृष्ण कन्हैया

वृंदावन का कृष्ण कन्हैया सबकी आंखों का तारा ।
मन ही मन क्यों जले राधिका मोहन तो है प्यारा ॥

यमुना तट पर नंद का लाला जब जब रास रचाय रे ।
तन मन डोले कान्हा ऐसी वंशी मधुर बजाए रे ।
सुध बुध भूली खड़ी गोपियां जाने कैसा जादू डारा ॥

रंग सलोना ऐसा जैसे छाई हो घट सावन की ।
ऐरी सखी मैं हुई दिवानी मनमोहन मनभावन की ।
तेरे कारण देख सावरे छोड़ दिया मैंने जग सारा ॥

Source:
https://www.bharattemples.com/vrindhavan-ka-krishan-kanhiyan-sabki-aankho-kaa-taara/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw